

राम ॥ राम नाम लो, भाग जगाओ ॥

॥ राम नाम लो, भाग जगाओ ॥

राम

राम ॥ पदराग केदारा ॥ राम

असो कोई ताप बुझावे आय ॥

**May someone quench the fire of suffering**

असो कोई ताप बुझावे आय ॥

राम अधपे मेरी पीड मेटे ॥ सो गुरु में सिष थाय ॥टेर॥ राम

राम Is there such a guru in the world who will quench the fire within me? Is there such a  
राम guru who will erase my suffering? If there is such a guru, then I will make him my  
राम guru and I will become his disciple.

आग बिना सुण प्राण दाझे ॥ सि बिन देहे थरराय ॥

बिष बिन लेहर भाँग बिन पीयां ॥ प्राण गिगन दिस जाय ॥१॥

राम My soul burns without fire, and my body shivers without cold. The waves of hemp  
राम arise in my heart without drinking hemp poison, and my soul is going towards the  
राम sky.

बिन समसेर तीर बिन बरछी ॥ मन बिंधाणो आय ॥

डर बिन डरुं बी बिना बिरह ॥ बोहोत ऊप ज्यो माय ॥२॥

राम Without a sword, without an arrow, without a spear, my mind is being pierced. I am  
राम not being scared by anyone, but I am scared. I am experiencing separation without  
राम any cause. This fear and separation are growing immensely.

में बिन पाणी बुवा जाऊँ ॥ जे कोई काढे आय ॥

के सुखदेव गुरु सो मेरा ॥ चरणा रहूं लपटाय ॥३॥

राम There is no flood, but I am flowing like a flood. Will someone liberate me from all  
राम these fiery sufferings? Adi Satguru Sukhramji Maharaj says, I will cling to the feet  
राम of such a Guru .

राम राम

राम राम

राम राम

राम राम

राम राम

राम राम

राम राम

राम राम

राम राम

राम राम